University in News on 08 April 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

लविवि: आठ छात्रों को मिली नौकरी

लखनऊ। लखनऊ विवि के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल एवं इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज की ओर से आयोजित कैंपस प्लेसमेंट में आठ छात्र चयनित किए गए हैं। सभी छात्र मैकलियोड्स फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड में सेवाएं देंगे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने छात्रों को शुभकामनाएं दी हैं। प्लेसमेंट प्रभारी डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि अभिषेक शुक्ला, प्रतीक हनुमान, अभय प्रताप, आशीष कुमार का चयन क्वालिटी कंट्रोल के पद पर हुआ है। वहीं, विशाल कुमार सिंह, कृष्णानंद, अजय पासवान, नवीन कुमार यादव का चयन प्रोडक्शन डिपार्टमेंट में हुआ। छात्रों को कंपनी की ओर से 2.16 लाख रुपये प्रोबेशन पीरियड में मिलेंगे। एक वर्ष के बाद 2.52 लाख रुपये प्रतिवर्ष मिलेंगे। (संवाद)

भारतीय सभ्यता का भाव विविधता में एकता

लखनऊ। लखनऊ विवि के राजनीतिशास्त्र विभाग में सोमवार को भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद की ओर से राज्य, समाज और राष्ट्र के बीच अंर्तसंबंधः भारतीय परिपेक्ष्य विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरुआत हुई। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह सर कार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल ने इसका शुभारंभ किया। उन्होंने कहा, पश्चिमी दार्शनिक परंपराएं विशिष्टता को प्राथमिकता देती हैं। भारतीय सभ्यता का भाव विविधता में एकता के सिद्धांत को निर्धारित करता है। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. जितेंद्र कुमार ने वैचारिक ढांचे और इसके अकादमिक महत्व बताया। (संवाद)

JAGRAN CITY PAGE III

विविधता में एकता ही राष्ट्र की शक्ति : डा. कृष्ण गोपाल

जागरण संवाददाता • लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति शास्त्र विभाग और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली की ओर से दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी सोमवार से मालवीय सभागार में शुरू हुई। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रवादी विचारक और शिक्षाविद् डा. कृष्ण गोपाल ने कहा कि भारतीय राष्ट्र निर्माण की अवधारणा विविधता में एकता की मिसाल है, जो पश्चिमी विचारधाराओं से अलग और अधिक समावेशी है। उन्होंने यूरोपीय और भारतीय राज्य की अवधारणाओं की तुलना करते हुए कहा कि जहां पश्चिमी दर्शन विशिष्ट पहचान पर बल देता है, वहीं भारत साझा मूल्यों और नैतिक ढांचे के आधार पर विविधताओं को अपनाते हुए एकता को कायम रखता है।

संगोष्ठी का विषय 'राज्य, समाज और राष्ट्र के बीच अंतर्संबंधः भारतीय परिप्रेक्ष्य' रहा। इस विषय पर डा. कृष्ण गोपाल ने बताया कि कैसे भारत पांच हजार साल के इतिहास वाली सभ्यता के रूप में, साझा आंतरिक मूल्यों और नैतिक ढांचों के माध्यम से एकता बनाए रखते हुए धर्म, जाति, संस्कृति और भाषा में जबरदस्त विविधता को अपनाता है। अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. आलोक कुमार

लवि के राजनीति शास्त्र विभाग में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते शिक्षाविद डा. कृष्ण गोपाल • जागरण

राय ने कहा कि ऐसे विमर्श समकालीन सामाजिक-राजनीतिक समस्याओं की समझ को गहराई प्रदान करते हैं।

विभागाध्यक्ष प्रो. संजय गुप्ता ने राज्य निर्माण और वैश्विक मुद्दों के बीच संबंधों का विश्लेषण किया। संगोष्ठी के संयोजक डा. जितेंद्र कुमार ने आयोजन की वैचारिक पृष्ठभूमि पर चर्चा करते हुए इसे वर्तमान संदर्भ में अत्यंत प्रासंगिक बताया। प्रतिकुलपति प्रो. मनुका खन्ना और कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन ने भी विषय पर अपने विचार रखे। संगोष्ठी में विशेषज्ञ, शोधार्थी, छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

i-NEXT PAGE 4

टैगोर लाइब्रेरी को और हाईटेक बनाएगा 'सोल 3.0'!

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (7 April): स्टूडेंट्स को आसानी से बुक्स अवेलेबल कराने और उन्हें पढ़ाई के लिए एक हाईटेक माहौल देने के

i GOOD NEWS

लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी की टैगोर लाइब्रेरी खुद को और ज्यादा अपग्रेड करने जा रही है. इस लाइब्रेरी के सॉफ्टवेयर सिस्टम सोल 2.0 को बदलकर 3.0 कर दिया है. सोल यानी सॉफ्टवेयर ऑफ यूनिवर्सिटी लाइब्रेरी, यह एक सॉफ्टवेयर है, जो लाइब्रेरी में आटोमेशन प्रोसेस को इन्हैंस करता है. एलयू की टैगोर लाइब्रेरी में ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर है, जिसमें स्टूडेंट्स अपने नाम के साथ बुक का नाम डालकर सर्च करते हैं और स्क्रीन पर उन्हें उस बुक से रिलेटेड सारी इन्फॉर्मेशन मिल जाती है. जैसे कि बुक के राइटर, लाइब्रेरी में कहां पर मिलेगी और उसके समकक्ष कौन सी बुक्स और हैं. अभी तक लाइब्रेरी में सोल 2.0 वर्जन यूज किया जा रहा था. सोल 3.0 को इन्प्लिबनेट ने डेवलप किया है, जो यूजीसी के अंतर्गत काम करती है.

पीएम ऊषा योजना से मिले कंप्यूटर्स से हाईटेक होगी साइबर लाइब्रेरी

माई लॉपट में इंटरेस्टेड हैं स्टूडेंट्स

माई लॉपट यानी माई लाइब्रेरी ऑन फिंगर टिप्स, ये एक तरह से लाइब्रेरी का रिमोट एक्सेस है, जिसकी हेल्प से आप कहीं भी बैठकर लाइब्रेरी की बुक्स, ई-बुक्स, मैग्जीन्स, रिसर्च पेपर्स आसानी से पढ़ सकते हैं. इसके लिए टैगोर लाइब्रेरी की तरफ से अपने स्टूडेंट्स को एक लॉगइन आईडी और पासवर्ड दिया जाता है, जिसका यूज करके स्टूडेंट्स लाइब्रेरी पर एक्सेस कर सकते है. माई लॉपट के तहत लाइब्रेरी द्वारा एक एप और एक डेस्कटॉप वर्जन स्टूडेंट्स को अवेलेबल कराया जा रहा है ताकि स्टूडेंट्स को जो कन्वीनिएंट लगे, उसे वे आसानी से यूज कर पाएं. विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, इस टाइम माई लॉपट के लगभग 15,960 यूजर्स है, जिसमें स्टूडेंट्स के साथ ही फैकल्टी मेंबर्स भी इनरोल्ड है. माई लॉपट का सबसे ज्यादा यूज पीएचडी और यूजी स्टूडेंट्स करते है और उनका फीडबैक भी काफी पॉजिटिव आ रहा है.

पीएम ऊषा योजना से मिलेगी हेल्प

टैगोर लाइब्रेरी को पीएम ऊषा योजना के तहत नए अपग्रेडेड कंप्यूटर्स मिले है, जिनको साइबर लाइब्रेरी और ऑटोमेशन लैब में इंटीग्रेड किया जाएगा. इन कंप्यूटर्स में आई 3 की जगह पर आई 5 प्रोसेसर के साथ अपग्रेड किया गया है.

15,960 यूजर्स हैं इस टाइम माई लॉपट के

आसानी से एक्सेस कर पाएंगे रिसोर्सेज

इस बार स्टूडेंट्स के लिए लाइब्रेरी की तरफ से लगभग 50 नए डाटाबेस खरीदे गए हैं, इसके साथ ही 2,500 से ज्यादा ई-बुक्स भी परचेज की गई हैं, ताकि स्टूडेंट्स आसानी से एक ही जगह पर ज्यादा से ज्यादा रिसोर्सेज एक्सेस कर पाएं.

"हम स्टूडेंट्स को बेहतर रिसोर्सेज अवेलेबल करवाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं. जिसके लिए हमने टैगोर लाइब्रेरी में कई नए सॉफ्टवेयर अपग्रेड किए हैं, साथ ही स्टूडेंट्स को हाईटेक टेक्नोलॉजी से जोड़ने के लिए हम लाइब्रेरी में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को भी इंटीग्रेड करने के लिए काम कर रहे हैं.

प्रो. केया पांडेय, लाइब्रेरियन, एलयू

AMRIT VICHAR PAGE 8

पुस्तक का विमोचन करते डॉ. कृष्ण गोपाल शर्मा व डॉ. मनुका खन्ना।

पश्चिम विशिष्टता को और भारत विविधता को देता है महत्व

अमृत विचार, लखनऊ : पश्चिमी चिंतन विशिष्टता को महत्व देता है, जबकि भारतीय दर्शन विविधता को महत्व देता है। भारत 5 हजार वर्षों के इतिहास वाली सभ्यता है जहां साझा आंतरिक मूल्यों और नैतिक ढांचों के माध्यम से एकता बनाए रखते हुए धर्म, जाति, संस्कृति और भाषा में जबरदस्त विविधता को अपनाता रहा है। यह कहना है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल शर्मा का वह लखनऊ विश्वविद्यालय में एक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राज्य निर्माण की पश्चिमी और भारतीय अवधारणा पर विस्तार से प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग और भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में राज्य, समाज और राष्ट्र के बीच अर्न्तसंबंध पर डॉ. कृष्ण गोपाल शर्मा ने अपने विचार रखे। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर राजनीति विज्ञान विभाग की पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना और कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन शामिल थे। इस मौके पर राज्य निर्माण और समकालीन वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की गई जो राज्य-समाज संबंधों की पारंपरिक समझ को चुनौती देते हैं। संयोजक डॉ. जितेंद्र कुमार ने संगोष्ठी के वैचारिक ढांचे और इसके अकादमिक महत्व को स्पष्ट किया। इस दौरान विभाग के समस्त शिक्षक प्रो. संजय गुप्ता, (विभागाध्यक्ष), प्रो. मनुका खन्ना, प्रो. कमल कुमार, प्रो. कविराज, डॉ. अमित कुशवाहा, डॉ. शिखा चौहान, डॉ. राजीव सागर, डॉ. माधुरी साहू, डॉ. अनामिका, डॉ. जितेन्द्र कुमार, डॉ. दिनेश कुमार, डॉ. तुंगनाथ मुआर, डॉ. दिनेश यादव, डॉ. सत्यम तिवारी व अन्य छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एआई की प्रयोगशाला 8 अप्रैल से होगी शुरू

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग विभाग में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की प्रयोगशाला शुरू होने जा रही है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और एप्पल आईमैक प्रयोगशाला का आरंभ 8 अप्रैल से आरंभ होने जा रहा है जिसका उद्घाटन कुलपति डॉ. आलोक कुमार राय करेंगे। इस प्रयोगशाला के शुरू हो जाने के बाद छात्रों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता को सीखने में आसानी होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की प्रयोगशाला से कई तरह के परीक्षणों में छात्रों और शोध छात्रों को लाभ होगा जिसमें विभिन्न् शोध में मानवीय परीक्षण की आवश्यकता में कमी आएगी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 3

लविवि के बीफार्म के आठ छात्रों का कैंपस प्लेसमेंट

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल एवं इंस्टिट्यूट ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज के द्वारा आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में आठ छात्रों का मैकलियोड्स फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड में चयन हुआ। चयनित छात्रों को विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय और केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. अनूप भारती, अभियांत्रिकी संकाय के डीन प्रो. अशोक कुमार सिंह एवं फार्मास्यूटिकल साइंसेज के निदेशक प्रो. पुष्पेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया। मैकलियोड्स फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड की प्लेसमेंट ड्राइव प्रक्रिया (प्री-प्लेसमेंट टॉक, टेस्ट, पर्सनल इंटरव्यू राउंड) को बी. फार्म के आठ छात्रों ने सफलता पूर्वक उत्तीर्ण किया। जिनमें चार छात्रों (अभिषेक शुक्ला, प्रतीक हनुमान, अभय प्रताप, आशीष कुमार मद्धेशिआ) का चयन क्वालिटी कंट्रोल पद पर एवं अन्य चार छात्रों (विशाल कुमार सिंह, कृष्णा नंद, अजय पासवान, नवीन कुमार यादव) का चयन प्रोडक्शन डिपार्टमेंट में हुआ।

TOI PAGE 3

LU, ICSSR discuss nation, values, culture

Lucknow: A nation is held together not just by its laws, but by its living culture, shared values, traditions and memories passed down through generations. This was discussed at a national seminar 'Interrelationship among state, nation and society' organized by the department of political science, Lucknow University in collaboration with the Indian Council of Social Science Research (ICSSR) on Monday.

Nationalist thinker and educationist Krishna Gopal, said, "In our 5,000-year-old civilizational journey, India's strength has never come from imposing sameness, but from nurturing unity through shared values and deep cultural respect. Despite vast differences in language, customs and beliefs, we have remained one nation." TNN